Dainik Bhaskar (Indore), 04th June 2026, Page-02

CORE RISING इंडस्ट्रीज की बदलती जरूरत, ईवी और ग्रीन एनर्जी सेक्टर में बढ़ते निवेश का फायदा स्टूडेंट्स को मिल रहा

कोर सेक्टर की वापसी, मैकेनिकल-इलेक्ट्रिकल फिर आगे, आईईटी में पहली बार 100% प्लेसमेंट

गजेंद्र विश्वकर्मा • इंदौर

एक समय था जब इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए कम्प्यूटर साइंस और आईटी ब्रांच ही सबसे आकर्षक विकल्प थीं, लेकिन अब परिदृश्य बदल रहा है। इंदौर में 2025-26 के प्लेसमेंट सत्र में मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, सिविल, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य कोर ब्रांच का प्रदर्शन पहले से बेहतर हुआ है। इंडस्ट्रीज की बदलती जरूरत, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के विस्तार, इलेक्ट्रिक व्हीकल और ग्रीन एनर्जी जैसे सेक्टर में बढ़ते इन्वेस्ट का सीधा लाभ इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को मिल रहा है।

आईआईटी इंदौर के 2025-26 के प्लेसमेंट में कोर इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी कंपनियों दोनों का मजबूत दबदबा दिखा। आंकड़ों के अनुसार आईआईटी इंदौर का औसत पैकेज 28.4 लाख रुपए वार्षिक तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 12% ज्यादा है। इसके पहले 2024-25 में औसत पैकेज 27.30 और 2023-24 में 24.42 लाख था। उच्चतम पैकेज 1.37 करोड़ रुपए वार्षिक तक गया है। 110 से ज्यादा कंपनियां कैंपस में आई। 320 से ज्यादा स्टूडेंट्स को जॉब मिला।

ऑटोमोबाइल और ईवी सेक्टर में बढ़ रही मांग

आईआईटी में कोर इंजीनियरिंग ब्रांच में विशेष रूप से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का प्रदर्शन बेहतर रहा। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के स्टूडेंट्स को भी बड़ी संख्या में प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) प्राप्त हुए। एमटेक की कोर ब्रांच में भी प्लेसमेंट प्रतिशत संतोषजनक रहा। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 2025-26 में प्लेसमेंट 92% रहा और औसत पैकेज 23.5 लाख वार्षिक से ऊपर रहा। 2025-26 में ऑटोमोबाइल और ईवी सेक्टर की बढ़ती मांग के कारण प्लेसमेंट 86% तक पहुंच गया है। एमटेक कोर ब्रांच में 2023-24 में 65.38% प्लेसमेंट था और 10 लाख रुपए मीडियन पैकेज दर्ज हुआ था। 2024-25 में एमटेक ईवी का उच्चतम पैकेज 54 लाख और औसत पैकेज 14.60 लाख रहा।

एसजीएसआईटीएस के 400 से ज्यादा स्टूडेंट्स को मिला जॉब

एसजीएसआईटीएस के 2025-26 के प्लेसमेंट सीजन में करीब 402 को कैंपस से जॉब मिला। सीएस और आईटी में 95% प्लेसमेंट रहा। कोर ब्रांच मैन्युफैक्चरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स में पीथमपुर की कंपनियां सहित अडानी ग्रुप ने भी स्टूडेंट्स को लिया। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन में 88% सिलेक्ट हुए। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के 85% स्टूडेंट्स विभिन्न पावर और मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों में प्लेस हुए। मैकेनिकल में 80% को जॉब ऑफर हुए। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्यूनिकेशन में 82% को तकनीकी और नेटवर्क कंपनियों में जॉब मिली। सिविल में 60% को जॉब मिला। औसत पैकेज 8.5 लाख रहा। डीएवीवी आईईटी की 2025-26 प्लेसमेंट रिपोर्ट के अनुसार 46 कंपनियों ने हिस्सा लिया और करीब 460 को जॉब ऑफर्स हुए। पहली बार मैकेनिकल में 100% प्लेसमेंट रहा। उच्चतम पैकेज 22 लाख और मीडियन 6.50 लाख रहा।

इनकी रहेगी डिमांड

एक्सपर्ट ने बताया कि आने वाले समय में सेमीकंडक्टर, एम्बेडेड सिस्टम, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, ईवी, एआई-एमएल और एडवांस कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी के कारण इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल जैसी कोर ब्रांच में सबसे ज्यादा डिमांड बनी रहेगी।

यह प्रमुख कंपनियां आई

वीईसीवी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, अडानी ग्रुप, जेएसडब्ल्यू, गेल, एचपीसीएल, एनटीपीसी और सीमेंस जैसी कोर कंपनियों के साथ मास्टरकार्ड, नोमुरा, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, क्वालकॉम, डेलॉइट और एक्सेंचर जैसी टेक और कंसल्टिंग कंपनियों ने भी स्टूडेंटस का चयन किया।

एक्सपर्ट : एसजीएसआईटीएस के डायरेक्टर प्रो. नीतेश पुरोहित और प्लेसमेंट एक्सपर्ट अतुल भारत।